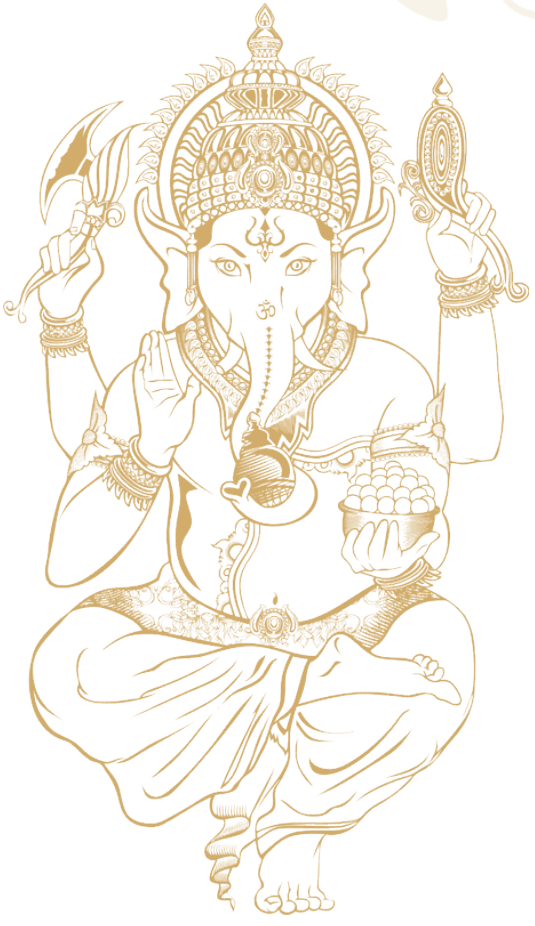

Triyansh

21 Sep 2025

02:14 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121054003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/09/2025**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:14:00 घंटे**
इष्ट	50:13:28 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:52:52 घंटे
वेलान्तर	00:06:34 घंटे
साम्पातिक काल	01:52:50 घंटे
सूर्योदय	06:08:36 घंटे
सूर्यास्त	18:19:57 घंटे
दिनमान	12:11:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	03:55:28 कन्या
लग्न के अंश	12:14:13 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	12:14:13	306:48:40	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	---
सूर्य			कन्या	03:55:28	00:58:40	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			सिंह	22:51:47	12:31:54	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			तुला	04:47:57	00:40:13	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	कन्या	10:05:58	01:44:46	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
गुरु			मिथु	26:53:33	00:08:40	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	07:24:58	01:13:21	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	04:19:17	00:04:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	24:09:30	00:00:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	24:09:30	00:00:03	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:09:24	00:00:44	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:36:51	00:01:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:16:29	00:00:38	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मेष	06:05:38	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

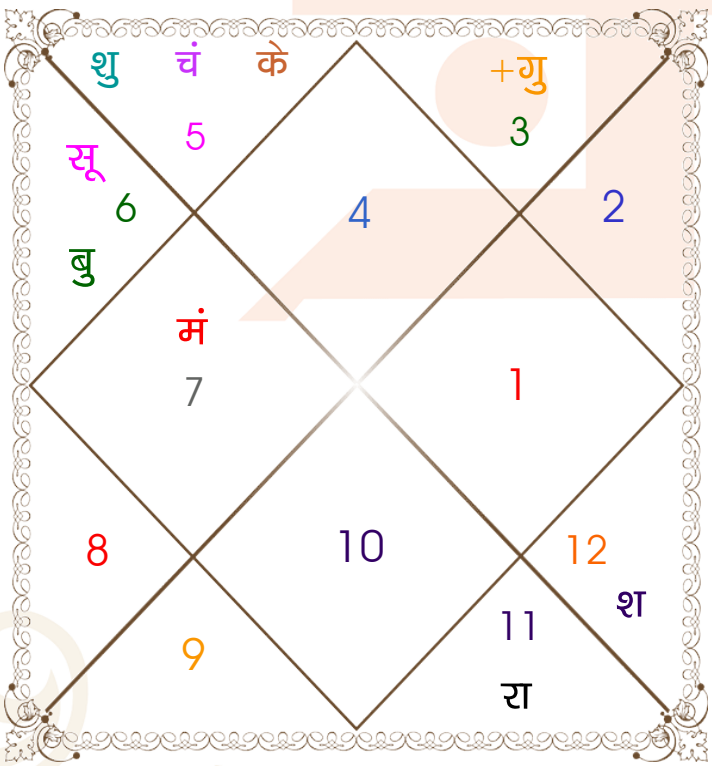

चन्द्र कुंडली

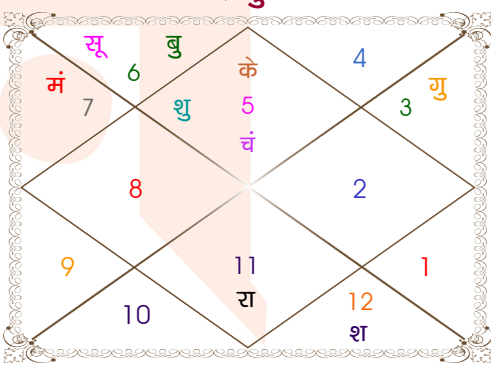

नवमांश कुंडली

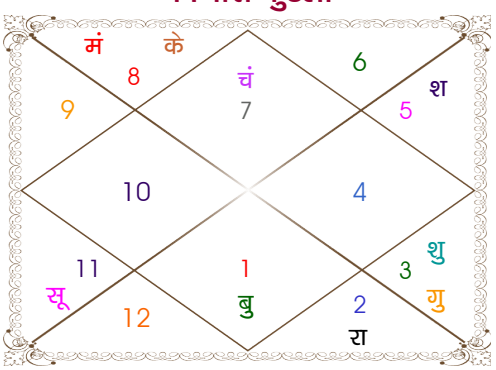

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 8 मास 14 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/09/2025		05/06/2031		05/06/2037		05/06/2047		05/06/2054	
05/06/2031		05/06/2037		05/06/2047		05/06/2054		05/06/2072	
	00/00/0000	सूर्य	23/09/2031	चंद्र	05/04/2038	मंगल	02/11/2047	राहु	15/02/2057
	00/00/0000	चंद्र	24/03/2032	मंगल	04/11/2038	राहु	19/11/2048	गुरु	12/07/2059
	00/00/0000	मंगल	29/07/2032	राहु	05/05/2040	गुरु	26/10/2049	शनि	18/05/2062
	00/00/0000	राहु	23/06/2033	गुरु	04/09/2041	शनि	05/12/2050	बुध	04/12/2064
	00/00/0000	गुरु	11/04/2034	शनि	06/04/2043	बुध	02/12/2051	केतु	23/12/2065
	21/09/2025	शनि	24/03/2035	बुध	04/09/2044	केतु	29/04/2052	शुक्र	23/12/2068
शनि	05/06/2027	बुध	29/01/2036	केतु	05/04/2045	शुक्र	29/06/2053	सूर्य	16/11/2069
बुध	05/04/2030	केतु	05/06/2036	शुक्र	05/12/2046	सूर्य	04/11/2053	चंद्र	18/05/2071
केतु	05/06/2031	शुक्र	05/06/2037	सूर्य	05/06/2047	चंद्र	05/06/2054	मंगल	05/06/2072

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/06/2072		05/06/2088		06/06/2107		06/06/2124		06/06/2131	
05/06/2088		06/06/2107		06/06/2124		06/06/2131		00/00/0000	
गुरु	24/07/2074	शनि	08/06/2091	बुध	02/11/2109	केतु	02/11/2124	शुक्र	06/10/2134
शनि	03/02/2077	बुध	16/02/2094	केतु	30/10/2110	शुक्र	02/01/2126	सूर्य	06/10/2135
बुध	12/05/2079	केतु	27/03/2095	शुक्र	30/08/2113	सूर्य	10/05/2126	चंद्र	06/06/2137
केतु	17/04/2080	शुक्र	27/05/2098	सूर्य	07/07/2114	चंद्र	09/12/2126	मंगल	06/08/2138
शुक्र	17/12/2082	सूर्य	09/05/2099	चंद्र	06/12/2115	मंगल	07/05/2127	राहु	06/08/2141
सूर्य	05/10/2083	चंद्र	08/12/2100	मंगल	02/12/2116	राहु	25/05/2128	गुरु	06/04/2144
चंद्र	03/02/2085	मंगल	17/01/2102	राहु	22/06/2119	गुरु	30/04/2129	शनि	22/09/2145
मंगल	10/01/2086	राहु	23/11/2104	गुरु	27/09/2121	शनि	09/06/2130		00/00/0000
राहु	05/06/2088	गुरु	06/06/2107	शनि	06/06/2124	बुध	06/06/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।